

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

सोमवार 30 अक्टूबर 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

जी-20 का संदेश पूरे देश में फैलाने के लिए 14 दिवसीय रेल यात्रा शुरू

मुंबई नई दिल्ली में हाल ही में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन के संदेश को प्रचारित करने के लिए 450 प्रतिभागियों के साथ 14 दिवसीय रेल यात्रा शनिवार को शहर से शुरू हुई। प्रतिभागियों में जी-20 देशों के 70 सदस्य शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह पहल जी-20 स्टार्टअप के सहयोग से एक गैर सरकारी संगठन, जागृति सेवा संस्थान की ओर से की गई है। यह भारतीय स्टेट बैंक और सिडबी से समर्थित है। यह दिल्ली घोषणा पत्र के साथ समावेशी उद्यम और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। ट्रेन पूरे देश में 8,000 किमी की यात्रा करेगी। यात्रा 10 नवंबर को मुंबई में समाप्त होगी। यात्रा के माध्यम से प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, समावेशी प्रथाओं और नेटवर्किंग के बारे में जानकारी प्राप्त होगी। एसबीआई के अध्यक्ष दिनेश खारा ने कहा, हमें जागृति जी-20 स्टार्टअप-20 यात्रा के साथ सहयोग करने में खुशी हो रही है। यह देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने और महिलाओं के नेतृत्व वाली विकासवात्मक पहल में भाग लेने की एसबीआई की प्रतिबद्धता से मेल खाता है।

अब आईसीएमआर तय करेगा जांच के मानक

नई दिल्ली भारत में विदेशी मानकों के आधार पर मरीजों का इलाज किया जा रहा है। बीपी, शुगर, कोलेस्ट्रॉल या फिर हीमोग्लोबिन जैसी प्रयोगशाला जांच वर्षों से अमेरिका और यूरोप के वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं जबकि खानपान, आदत और अनुवांशिकता के आधार पर पश्चिम देशों की तुलना में भारतीय आबादी काफी अलग है, लेकिन अब भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) भारतीय आबादी के हिसाब से प्रयोगशाला जांच के मानक तय करेगी। आईसीएमआर ने 49,486 मरीजों के रक्त के नमूना लेकर अपने और विदेशी दोनों मानकों के आधार पर विश्लेषण में पाया कि विदेशी मानक और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आधार पर 30% एनीमिया ग्रस्त मिले।

नशीली दवा से युवाओं को अंधा बना रही सरकार: कांग्रेस



मुंबई कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश के युवाओं को "अंधा" बनाने के लिए नशीली दवाओं का इस्तेमाल एक उपकरण के रूप में कर रही है। उन्होंने कहा, देश के कई बंदरगाहों पर ड्रग्स पकड़े जा रहे हैं, लेकिन युवाओं और देश के लिए "गंभीर सवाल" उन बड़ी खेपों के बारे में है, जिनकी सप्लाई धड़ल्ले से हो रही है और इनकी पहचान भी नहीं हो रही है।

पागलपन की तरफ धकेले जा रहे युवा: मुंबई कांग्रेस कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कन्हैया कुमार ने कहा कि देश के कई बंदरगाहों पर ड्रग्स पकड़े जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं को अंधा करने के कई साधन हैं। उनमें से एक है नशा। युवाओं को

एनाकुलम केरल के एनाकुलम में रविवार को एक कन्वेंशन सेंटर में तीन धमाके हुए। इसमें एक की मौत और 52 लोग घायल हो गए। रिपोटर्स के मुताबिक, कलामासेरी में स्थित इस कन्वेंशन सेंटर में सुबह साढ़े 9 बजे के करीब 2 हजार लोग प्रार्थना कर रहे थे, उसी दौरान 5 मिनट के अंदर लगातार तीन धमाके हुए। राज्य के एडीजीपी (लॉ एंड ऑर्डर) अजित कुमार ने बताया कि एक शख्स ने कोडकारा पुलिस स्टेशन में सरेंडर किया है। उसका दावा है कि उसने ही कन्वेंशन सेंटर में बम रखा था। आरोपी का नाम डोमिनिक मार्टिन है। हालांकि, मार्टिन ने अभी तक यह नहीं बताया कि किस वजह से उसने ये धमाके किए। इस पूरे मामले में पुलिस की जांच जारी है। इससे पहले कन्नूर पुलिस ने भी एक व्यक्ति को उसके बैग में सौंदर्य सामान मिलने के बाद हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि वह झारखंड का रहने वाला है। वह मंगलुरु से एरिकोड जा रहा था।

52 घायलों में 6 की हालत गंभीर केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि 52 लोगों को शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें 18 लोग आईसीयू में भर्ती हैं। एक 6 साल के बच्चे समेत 6 लोगों की हालत



एनाकुलम के सभी अस्पताल अलर्ट पर, डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने विस्फोट में घायल हुए लोगों को बेहतर इलाज करने के लिए विभाग के अफसरों को निर्देश जारी किया गया है। एनाकुलम के सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। मंत्री ने डॉक्टरों समेत सभी स्वास्थ्य कर्मियों को, जो छुट्टी पर हैं, तुरंत लौटने का निर्देश दिया है। इसके अलावा कलामासेरी मेडिकल कॉलेज, एनाकुलम जनरल हॉस्पिटल और कोट्टायम मेडिकल

गंभीर है। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। जेहोवाज विटनेसेस संस्थान के स्थानीय प्रवक्ता टीए श्रीकुमार ने कहा कि कन्वेंशन हॉल में 9:45 बजे प्रेरार खत्म होने के बाद पहला धमाका हॉल के बीचों-बीच हुआ। कुछ सेकेंड बाद हॉल के दोनों तरफ दो और धमाके हुए।



एक दिन पहले फिलिस्तीन के समर्थन वाली रैली में हमास नेता वरुचुअली शामिल हुआ था केरल में पिछले कुछ दिनों से फिलिस्तीन के समर्थन में मुस्लिम संगठन लगातार रैलियां कर रहे हैं। दो दिन पहले एनाकुलम में हमास के समर्थन में भी एक रैली हुई थी। 27 अक्टूबर को भी मल्लपुरम में फिलिस्तीन के सपोर्ट में हुई एक रैली में हमास नेता खालिद मशेल वरुचुअली शामिल हुआ था।

एनाकुलम में जहां ब्लास्ट हुआ है, उसके आसपास बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय के लोग रहते हैं। केरल के डीजीपी शेक दरवेश साहेब ने बताया कि शुरूआती जांच के मुताबिक, आईडी टिफिन बॉक्स में प्लांट कर कन्वेंशन सेंटर के अंदर रखा गया था। 8 स्पेशल टीम बनाई गई है। पूरी जांच के बाद और जानकारी सामने आएगी।

'धमाकों की आवाज से गूंज उठा कन्वेंशन हॉल'



एनाकुलम केरल के एनाकुलम में रविवार सुबह एक कन्वेंशन सेंटर में भीषण धमाके हुए। जिसमें एक व्यक्ति की मौत और कई लोग घायल हो गए। कलामासेरी पुलिस के मुताबिक, यह धमाका उस वक्त हुआ, जब कई लोग कन्वेंशन सेंटर में प्रार्थना सभा के लिए जुटे थे। कन्वेंशन सेंटर में उस वक्त मौजूद लोगों ने मीडिया से बातचीत की। कन्वेंशन सेंटर में मौजूद एक वृद्ध महिला ने कहा, पहला धमाका प्रार्थना के बीच हुआ। जिसके बाद हमने दो और विस्फोटों की आवाज सुनी। पूरे सभागार में अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। वहीं समिति के सदस्य साजु ने भी मामले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, धमाकों के बाद हम सब बाहर की ओर भागे। बस इतना ही जानते हैं कि हम सबको बाहर भेजने में लगे थे। अधिकारियों से सम्पर्क साधा गया ताकि हमें स्थिति का पता चल सके। रविवार को इस तीन दिवसीय प्रार्थना सभा का आखिरी दिन था। अधिकारियों के मुताबिक, जिस वक्त यह धमाके हुए उस दौरान प्रार्थना सभा में करीब दो हजार लोग जुटे थे। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि कलामासेरी धमाके को लेकर उन्होंने सभी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया है। साथ ही छुट्टी पर गए सभी स्वास्थ्यकर्मियों को तुरंत काम पर लौटने के लिए कहा है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन से बात की और बम विस्फोट के बाद राज्य के हालात पर चर्चा की।

'अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए मैं खुद दर्शन हीरानंदानी को पैसे देती'

नई दिल्ली नैसिंद निशिकांत दुबे ने निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महुआ मोड्रा के पास संसद की एथिक्स कमेटी के सामने पेश होने का समय नहीं है लेकिन इंटरव्यू देने का समय है। बता दें कि एथिक्स कमेटी ने महुआ मोड्रा को 31 अक्टूबर को पेश होने का समय दिया

था। हालांकि महुआ मोड्रा ने अपने संसदीय क्षेत्र में जरूरी कामों का हवाला देकर 5 नवंबर के बाद पेश होने की बात कही। हालांकि एथिक्स कमेटी ने महुआ मोड्रा को 2 नवंबर को पेश होने का समय दिया है। निशिकांत दुबे ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्होंने अभी तक इस पूरे मामले पर किसी मीडियो को इंटरव्यू नहीं दिया है और संसद की गरिमा बनाए रखी है। भाजपा सांसद ने महुआ मोड्रा के दावों पर कहा कि अहम जानकारियों सामने आईं हैं और अधिकारी इसके तारों को जोड़ने की कोशिश में लगे हैं। डायरी मिलने से घोटाले में कई और नेता इंडी के रडार पर आ गए हैं। इंडी सूत्रों

मन की बात: मेक इन इंडिया को बढ़ावा दें: मोदी

त्योहारों में सामान छोटे दुकानदारों से खरीदें



नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 106वें एपिसोड में वोक्ल फॉर लोकल का मंत्र दिया। प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ ही दिनों में दिवाली का त्योहार आने वाला है। मेरी देशवासियों से अपील है कि वो मेक इन इंडिया सामान ही खरीदें। प्रधानमंत्री ने कहा- 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन है। इस दिन गुजरात के केवडिया में एक कार्यक्रम तो होगा ही। साथ ही दिल्ली में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत देशभर से इकट्ठा गई मिट्टी से अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा।

गांधी जयंती पर दिल्ली में खादी की रिकॉर्ड बिक्री हुई पीएम ने कहा- इस महीने की

दस साल पहले देश में जहां खादी प्रोडक्ट्स की बिक्री बड़ी मुश्किल से 30 हजार करोड़ रुपए से भी कम की थी, अब ये बढ़कर सवा लाख करोड़ रुपए के आसपास पहुंच रही है। पीएम ने कहा- साथियों, आज मैं अपना एक और आग्रह आपके सामने दोहराना चाहता हूँ और बहुत ही आग्रहपूर्वक दोहराना चाहता हूँ। जब भी पर्यटन या तीर्थयात्रा पर जाएं तो वहां के स्थानीय कलाकारों द्वारा बनाए गए उत्पादों को जरूर खरीदें। यात्रा के कुल बजट का जितना हो सके, उतना हिस्सा लोकल सामान पर खर्च करें।

खुले कई राज: मंत्री ज्योतिप्रिय ने भ्रष्टाचार का पैसा फिल्मों में लगाया

कोलकाता पश्चिम बंगाल के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की गिरफ्तारी के एक दिन बाद शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय ने उनके पूर्व निजी सहायक अमित डे को तलब किया। उनसे पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। इस बीच, इंडी ने यह दावा भी किया है कि मल्लिक ने भ्रष्टाचार का पैसा फिल्मों में भी लगाया था। जांच

एजेसी मल्लिक और उनके परिवार के संपत्ति कुर्क करने की तैयारी कर रही है। इंडी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेसी को एक डायरी मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। इसमें घोटाले से जुड़े कई राज दर्ज हैं और अधिकारी इसके तारों को जोड़ने की कोशिश में लगे हैं। डायरी मिलने से घोटाले में कई और नेता इंडी के रडार पर आ गए हैं। इंडी सूत्रों के मुताबिक 2014 में ज्योतिप्रिय के करीबी कारोबारी बाकिबुर रहमान ने एक बॉला फिल्म का निर्माण किया था। इसमें राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की महिला मित्र अर्पिता मुखोपाध्याय ने अभिनय किया था। शिक्षक भर्ती घोटाले में पार्थ व अर्पिता दोनों जेल में हैं। इस बीच, इस मामले में गिरफ्तार बाकिबुर रहमान को शनिवार को बैकशाल कोर्ट ने 11

'अयोग्य होने पर भी शिंदे ही रहेंगे मुख्यमंत्री'

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके समर्थित कई विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए उद्भव ठाकरे गुट द्वारा दावर याचिकाओं पर निर्णय लेने में देरी पर राज्य विधानसभा अध्यक्ष को कड़ी फटकार लगाई थी और कहा था कि स्पीकर शीर्ष अदालत के आदेशों को खारिज नहीं कर सकते हैं। शिंदे गुट द्वारा भी उद्भव के समर्थित सांसदों के खिलाफ इसी तरह की अयोग्यता याचिकाएं दावर की गई हैं।

'छत्तीसगढ़ में 5 साल तक लगा रहा ग्रहण, अब हटाने का समय'

रायपुर 2023 छत्तीसगढ़ में चुनाव की घोषणा होने के साथ ही सभी पार्टियों ने वार-पलटवार की राजनीति शुरू कर दी है। इस बीच राज्य के दोरी पर आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के चुनावी अभियान को आज धार दी। कांग्रेस पर नड्डा का हमला: चुनावी राज्य के डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने कभी जनता के बारे में नहीं सोचा, उन्होंने केवल अपने और अपने परिवार के बारे में सोचा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ में विकास के किसी भी काम का जिम्मा नहीं कर सकती, क्योंकि उसने कुछ किया ही नहीं। राज्य पर लगा ग्रहण हटाना होगा: भाजपा



अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने रविवार को छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर लोगों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य पांच साल से "ग्रहण" के अधीन रहा और अब समय आ गया है कि इसे हटाया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को यह तय करना होगा कि वे ऐसी सरकार चुनना चाहते हैं, जो खुद की सेवा करती है या वह जो जनता की सेवा करती है।

कांग्रेस ने नहीं किया कोई विकास: छत्तीसगढ़ में 'भ्रष्टाचार' को लेकर भूपेश बघेल सरकार पर निशाना साधते हुए, नड्डा ने कहा कि शनिवार को चंद्रग्रहण लगा था, लेकिन छत्तीसगढ़ में पांच साल से ग्रहण लगा हुआ है और इसे दूर करने का मौका आ गया है। नड्डा ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्होंने छत्तीसगढ़ में अपनी पहली चुनावी रैली मां बलेश्वरी की पवित्र भूमि से शुरू की। नड्डा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस द्वारा विकास की एक भी ईंट या पत्थर नहीं रखा गया, लेकिन मैं विश्वास से कह सकता हूँ कि भाजपा राज्य में विकास की हर एक ईंट में अपनी भूमिका का दावा कर सकती है। बता दें कि डोंगरगढ़ उन 20 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां 90 सदस्यीय राज्य विधानसभा के चुनाव के पहले चरण में मतदान होगा।

वर्तमान प्रदर्शनी बदलते भारत की एक तस्वीर: कारागार मंत्री

साकेत ग्रुप आफ कालेजेज में नवभारत-2047 पर लगी प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नवभारत-2047 की परिकल्पना को साकार करने वाली प्रदर्शनी साकेत ग्रुप आफ कॉलेजेज द्वारा आयोजित की गई, जिसका शुभारंभ सुरेश राही राज्य मंत्री कारागार उत्तर प्रदेश शासन द्वारा किया गया। इस अद्भुत प्रदर्शनी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदर्शनी बदलते भारत की एक तस्वीर है जो कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कठोर अধ্যवसाय के कारण संभव हो सका है।

इस प्रदर्शनी के शुभारंभ के पहले मंत्री द्वारा आर0एस0 बेदी उपाध्यक्ष बास्केट बॉल एसोसिएशन एवं कॉलेज के संरक्षक प्रो0 राजेश कुमार शर्मा की उपस्थिति में वैष्णवी बास्केटबॉल कोर्ट का लोकार्पण



फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते कारागार मंत्री सुरेश राही।

किया गया। जो कि एशिया कप विजेता प्रयागराज मंडल की बेटी वैष्णवी यादव की समर्पित किया गया। इस दौरान मंत्री ने महाविद्यालय की पत्रिका अनुसुईया का विमोचन भी किया।

उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़ जनपद की प्रबुद्ध बेटियाँ और यह साकेत परिवार की 30 वर्षों के अनवरत प्रयास से आज यह महाविद्यालय न केवल जनपद का बल्कि प्रदेश के लिए गौरव का बिंदु है। इस

दौरान साकेत परिवार द्वारा अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देखकर मंत्री जी का अभिनंदन किया गया। मंत्री सुरेश राही, सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य, नगरपालिका अध्यक्ष हरि प्रताप सिंह, समाज सेवी

रोशनलाल उमरवैश्य, सिंधुजा मिश्रा आदि ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की। कार्यक्रम में आयोजित प्रदर्शनी में डिजिटल पुनर्जागरण, सतत क्षितिज एवं पर्यावरणीय प्रयास, विरासत की पुनर्कल्पना, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं परिवहन ट्रेल्स, सशक्त जडे, कल्याण और स्वास्थ्य अगुणी एवं सामग कल्याण, अंतरिक्ष और विज्ञान सीमांत आदि लोगों को बहुत प्रभावित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत साईं वंदना, सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आए हुए आगंतुकों का स्वागत हर्षित श्रीवास्तव, मैनेजिंग ट्रस्टी एवं आगंतुकों के प्रति आभार महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर नीलिमा श्रीवास्तव द्वारा व्यक्त किया गया।

वाल्मीकि का जीवन समरसता प्रधान जीवन था: प्रभा शंकर

आरएसएस ने आयोजित किया शरद पूर्णिमा उत्सव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर प्रतापगढ़ में शरद पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें जिला प्रचारक शिव प्रसाद, जिला कार्यवाह हेमंत, काशी प्रांत के चुमंतु कार्य प्रमुख शशि भाल एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला सह समरसता प्रमुख प्रभा शंकर पांडे रहे।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रभा शंकर पांडे ने अपने उद्घोषण में कहा कि भारत की सनातन परंपरा रही है हम प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से पूरी दुनिया को समृद्ध करना चाहते हैं। इस धरा पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के मन में जीव मात्र के प्रति प्रेम और एक दूसरे के प्रति आपसी सद्भाव व भाईचारे की विचारधारा सब के मन में अग्रसर रहे। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन महाकवि महर्षि वाल्मीकि का जन्म हुआ था।



शरद पूर्णिमा उत्सव में बोलते मुख्य अतिथि।

वाल्मीकि का बचपन का नाम रत्नाकर था इनके पिता का नाम सुमाली था इनका पालन पोषण भी प्रजाति के लोगों ने किया था प्रारंभिक जीवन बड़ा ही संघर्षमय था वाल्मीकि का जीवन त्याग समर्पण और समरसता से भरा पड़ा है इन्हें ब्रह्म ज्ञान होता है और इनका नाम रत्नाकर से बदलकर वाल्मीकि कहा जाने लगा। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि वाल्मीकि का

जीवन समरसता प्रधान जीवन था। समाज के प्रत्येक वर्ग वाल्मीकि को अपना पूर्वज मानते हैं। वाल्मीकि का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता और एकत्व का प्रतीक है। इस अवसर पर सर्वोत्तम राजा, अंकित, पीयूष, सतीश, अजय, देवापि, प्रभात मिश्रा, सुमित, नगर प्रचारक आलोक, सुधांशु, अमित देव, शिव कुमार, दिनेश, पंकज आदि उपस्थित रहे।

जमीन पर जबरन कब्जा करने की शिकायत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बैनामा की जमीन पर पड़ोसी द्वारा जबरन कब्जा किए जाने की शिकायत पीड़ित ने पट्टी कोतवाली में किया है। कोतवाली क्षेत्र की बेलसंडी गांव के मेहंदा हसन पुत्र मुंशीराजा ने बताया कि उनके बैनामा की जमीन पर उनके पड़ोसी एक राय होकर जबरन कब्जा कर रहे हैं। पीड़ित ने विरोध किया तो एक दर्जन बाहरी बदमाशों को बुलाकर डराने धमकाने की कोशिश की गई। पीड़ित ने संबंध में उपजिलाधिकारी पट्टी को बतवारे के लिए आवेदन भी किया है लेकिन पड़ोसी जबरन कब्जा करना चाह रहे हैं। पुलिस प्रार्थना पत्र प्राप्त करने के बाद मामले की जांच में जुटी हुई है।

बैनामे के वाद भी कब्जा नहीं होने दे रहे आरोपी
अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। रामपुर खंगाल गांव में बैनामा कराने के बाद भी क्रेता को जमीन पर कब्जा होने से विक्रेता रोक रहा है। गांव के रहने वाले कैलाश नाथ यादव निवासी रामपुर खंगाल ने बताया कि उसने एक जमीन का बैनामा गांव के ही एक व्यक्ति से किया था। अब वह उसे जमीन पर कब्जा नहीं होने दे रहा है पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में पुलिस को शिकायत पत्र देकर इंसाफ की गुहार लगाई है।

पुरानी रंजिश में पड़ोसियों ने पीट कर किया जख्मी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पुराने जमीन विवाद को लेकर गांव के आधा दर्जन लोगों ने एक युवक को जमकर मारा पीटा। कोतवाली क्षेत्र के ठनेपुर गोपापुर गांव के रहने वाले राम फिर तिवारी पुत्र पारसनाथ ने बताया कि वह रविवार की सुबह शिव मंदिर पर पूजा करने जा रहा था तभी गांव के आधा दर्जन लोग लाठी बंडा लेकर पहुंचे और उसे जमीन पर कब्जा कर दिए जान बचाकर वह भागा तो आरोपी उसे दौड़ा लिए उसके परिजन बिच बचाव करने आए तो उन्हें भी लाठी डंडों से मारकर जख्मी कर दिया पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायत पत्र देकर आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सपा ब्लाक अध्यक्ष चुने जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा में नवनिर्वाचित संदीप यादव सपा ब्लाक अध्यक्ष चुने जाने पार्टी के कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की है। आसपुर देवसरा ब्लाक में शनिवार की दोपहर ढकवा एक कार्यक्रम में सपा कार्यवाहक जिला अध्यक्ष गुलशन कुमार यादव ने विशाला गांव निवासी पूर्व प्रधान संदीप यादव को फूल माला पहनकर आसपुर देवसरा ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त किया। मौके पर पट्टी विधानसभा विधायक राम सिंह पटेल, बहादुर यादव, महादेव, सुरेश यादव, रिवकी यादव, विधानसभा अध्यक्ष सुरेश यादव नगर पंचायत ढकवा रविदास सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसएसआई विवेक को मिली सांगीपुर थाने की कमान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। महेशगंज थाने में तैनात एसएसआई विवेक को सांगीपुर थाने की कमान मिली है। एसपी सतपाल अंतिल ने भरोसा जताया है। बता दें कि एसएसआई विवेक मिश्र इसके पहले मोहनगंज चौकी इंचार्ज के रूप में तैनात रह चुके हैं। सांगीपुर की जनता को नए एसओ से अपराधियों पर लगातार लगाने की उम्मीद है।

दहेज हत्या के अभियोक्त में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद के थाना संग्रामगढ़ के प्रभारी निरीक्षक इन्द्रदेव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारंटो अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना संग्रामगढ़ के मु0अ0सं0 224/23 धारा 498ए, 304बी, 323, 504, भादवि व 3/4 डीपी एक्ट में वांछित अभियुक्त अंकित कुमार पाण्डेय पुत्र भरतलाल पाण्डेय निवासी ग्राम भदिव डीह थाना संग्रामगढ़ जनपद प्रतापगढ़ को थानाक्षेत्र संग्रामगढ़ के खनवारी नहर के पास से गिरफ्तार किया गया।

दुष्कर्म के अभियोक्त में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के थाना अन्तु के उ0नि0 प्रभांशु कुमार यादव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारंटो अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना संग्रामगढ़ के मु0अ0सं0 182/2023 धारा 376, 504, 506 भादवि व 5/6 प्रांसो से संबंधित अभियुक्त अमरेश वर्मा पुत्र छोटेलाल वर्मा निवासी ग्राम जुगाई का पुत्रा कटैया थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ को थानाक्षेत्र लीलापुर के जुगाई का पुत्रा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया।

सुगतानन्द भन्ते की श्रद्धा व संकल्प के साथ मनाई गई सुगतानंद भन्ते की पुण्यतिथि

शरद पूर्णिमा व अभिधम्म दिवस पर श्रद्धालुओं ने किया दीपदानोत्सव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सुगतानन्द बुद्ध विहार सई नदी तट पर आयोजित पूज्य भन्ते सुगतानन्द की पावन पुण्यतिथि व अभिधम्म देशना दिवस श्रद्धा व संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जनपद सहित सुल्तानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, व अमैठी के श्रद्धालु उपसक्त/उपासिकाएं शामिल होकर उनकी पावन पुण्य स्मृति को याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कार्यक्रम का बुद्धारम्भ पावन भिक्षु संघ, भिक्षु आर्यवंश

महास्थवीर लुब्धिनी, भिक्खुनी सुमेता, भिक्षु शीलरत्न, भगवत रास शाक्य, भिक्षु धम्म मित्र, भिक्षु प्रिय मित्र एवम् भिक्खु जियानंद द्वारा दीप प्रचलन कर पूज्य भंते भदंत कल्याणमित्र महास्थविर व भन्ते अर्चवजित द्वारा विशरण व पंचशील व आनापानसति (ध्यान साधना) के साथ हुई। पूज्य भदन्त कल्याणमित्र महास्थविर ने भंते सुगतानन्द जी व भन्ते धम्ममित्र द्वय ने स्मृतियुक्त सुगतानन्द जी की पावन स्मृतियों को याद करते हुए अनेक स्मरण संस्मरणों को याद किया और उनके बताए हुए मार्ग पर सभी चलने के लिए आवाहन किया। नेपाल की सरजमा से पधारें पूज्य भंते आर्यवंश महस्थवीर ने देशना देते हुए बताया कि बौद्ध धर्म में न



सुगतानंद बुद्ध विहार में ध्यान साधना करते उपासकगण।

कोई जाति है और न ही कोई विभाजन। यह सिर्फ बुद्ध के विचारों पर बुद्ध्यान ही है। सुगतानंद बुद्ध विहार के विषय में उन्होंने कहा कि यह सही नदी के किनारे सही भिक्षु द्वारा सही उपासकों/उपासिकाओं के लिए स्थपित बुद्ध विहार है। उन्होंने निरन्तर बुद्ध के वचनों पर चलने

के लिए एवम् चारिका के लिए उपस्थित जन समूह का आवाहन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास अधिकारी राजीव आर्या ने सुगतानन्द जी के धम्म के क्षेत्र में किये गए पुनीत कार्यों को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि उनके विचारों को समाज में हम सभी को स्थापित करने के लिए

कार्य करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि आनंद मोहन ओझा ने धम्मबन्धुओं द्वारा किये कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज की स्थापना में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर उपासक व उपासिकाओं के संघ ने पावन भिक्खु संघ को आचार्य उमेश चन्द्र के नेतृत्व में भोजनदान, ध्यानसाधना के साथ दान पारमिता के कार्यक्रम में सहभागिता प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राम उमरवैश्य ने किया। जनपद में चलाये जा रहे धम्म की गतिविधियों से विस्तृत आख्या सुरेंद्र कुमार विमल ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बहन लीलावती, गंगा प्रसाद स्वावलम्बी, वेद प्रकाश, सुनीता

दिनेश, आनन्द मोहन ओझाजी, आरती विजय शंकर, शोभा कर्नाजिया, अनीता राजीव, अंजनी अवधेश, दिनेश लालती, रंजू संचय, गीताजलि सूरज, शशि किशन, आर भी मौर्य, आरुष, शाश्वत, ओम प्रकाश, राम सजीवन, मनीष रंजन, मकदूम, मेवालाल, सुरेंद्रलाल, अजय बौद्ध, बृजेश कुमार, रमेश बौद्ध दीपशिखा संचय, रूबी अमृतलाल, स्नेहलता प्रेमानाथ, पारुल आदि भारी संख्या में श्रद्धालुओं सामूहिक मैत्री भोज व कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति प्रदान की। अंत में कार्यक्रम के संयोजन व संचालन कर रहे राकेश कर्नाजिया ने सुगतानन्द बुद्ध विहार के विकास पर बल देते हुए सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

जेसीबी मशीन द्वारा काराया जा रहा अमृत सरोवर का कार्य मनरेगा श्रमिकों की रोजी रोटी पर कुठाराघात

अखंड भारत संदेश

परियावा, प्रतापगढ़। केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार एक तरफ मनरेगा मजदूरों से ग्राम पंचायत का कार्य कराने के लिये मजदूरों की मजदूरी का भुगतान करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही है तो वहीं दूसरी तरफ ब्लाक मुख्यालय के जिम्मेदार अधिकारी सरकार की सारी मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। ग्राम पंचायत में बन रहे अमृत सरोवर तालाब का निर्माण कार्य मनरेगा मजदूरों के बजाय जेसीबी मशीन से खुलेआम कराया जा रहा है जिससे साफ जाहिर होता है कि जनपद के अधिकारी सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे हैं जिसका नजारा जनपद के विकास खंड रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक की ग्राम पंचायत बिरसिंहपुर में देखने को मिला, जहां पर अमृत सरोवर की खुदाई का कार्य मनरेगा मजदूरों से न कराकर जेसीबी मशीन से कराया जा रहा है। रविवार को तालाब पर मनरेगा मजदूरों से न कराकर जेसीबी मशीन से खुदाई करते हुए देखा गया जिससे मनरेगा श्रमिकों और ग्रामीणों में आक्रोश दिखाई दिया। एक तरफ मनरेगा योजना पर केन्द्र सरकार/राज्य सरकार ने शिकंजा कसते हुए मनरेगा बजट में कटौती की है तो दूसरी तरफ ग्राम प्रधान/तथा ब्लाक कर्मियों की मिली भगत से मनरेगा के तहत मशीन का प्रयोग करके मनरेगा श्रमिकों के रुक को मारने का कार्य शुरू कर दिया गया आक्रोशित ग्रामीणों ने जेसीबी मशीन से अमृत सरोवर की खुदाई का विरोध करते हुए जेसीबी मशीन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए सीडीओ समेत उच्च अधिकारियों से मनरेगा में मशीन का प्रयोग बंद कराने की गुहार लगाई है। जेसीबी मशीन से कार्य कराये जाने से आक्रोश व्याप्त है।

जाकिर अली अध्यक्ष व प्रेम शंकर बने महामंत्री

सगरा सुंदरपुर बाजार की व्यापार मण्डल का हुआ चयन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल जिसमें जिला वरिष्ठ महामंत्री अशोक कुमार सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह गोविंद व जिला कोषाध्यक्ष संदीप रावत की उपस्थिति में सागरा सुंदरपुर बाजार का दौरा किया गया।

यहाँ पर सागरा सुंदरपुर बाजार में कई सारे व्यापारी की उपस्थिति में एक बैठक की गई, इस बैठक में सागरा सुंदरपुर के व्यापारियों की



सगरा सुंदरपुर बाजार की व्यापार मण्डल के नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण।

सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सगरा सुंदरपुर बाजार की इकाई के जाकिर अली को उ प्र उद्योग व्यापार मण्डल का सगरा सुंदरपुर इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया जाय। इसका प्रस्ताव प्रेम शंकर पाण्डेय और संतोष जैसवाल ने किया और उसके बाद वहाँ पर उपस्थित सभी व्यापारियों ने इसका

समर्थन भी किया। जब यह प्रस्ताव प्रतिनिधि मंडल के समक्ष आया तो प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह छाबड़ा ने बाजार के व्यापारियों का सम्मान करते हुए वहाँ उपस्थित सभी व्यापारियों के समर्थन से जाकिर अली को अध्यक्ष, प्रेम शंकर पाण्डेय को महामंत्री, संतोष जैसवाल को

एमडीपीजी में इग्नु का परिचय समारोह संपन्न

शिक्षार्थियों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का काउंसलर्स ने किया समाधान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कॉलेज परिसर में स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र में रविवार को डॉ0दिना गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी की ओर से नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक परिचय समारोह का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षार्थियों की

समस्याओं व जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

समारोह की अध्यक्षता राज्य विश्वविद्यालय के डीन एवं प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर अरविंद मिश्र ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रचलन, माल्यार्पण एवं माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। समारोह में अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह ने नये विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए इग्नू अध्ययन केंद्र पर संचालित विषयों और उनके



एमडीपीजी कालेज में आयोजित परिचय समारोह में मौजूद अतिथिगण।

प्रवेश, परामर्श सत्र, असाईमेंट तथा परीक्षा इत्यादि से सम्बन्धित जानकारी दी। प्रो अरविंद मिश्र ने कहा कि इग्नू की सभी अध्ययन

सामग्री गुणवत्ता पूर्ण है जो छात्रों को विषय संबंधित कंपीटिशन निकालने में अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने इग्नू द्वारा संचालित शिक्षा

उप कृषि निदेशक ने कृषकों को फसल अवशेष प्रबन्धन के सम्बन्ध में किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव द्वारा तहसील क्षेत्र लालगंज में भ्रमण किया गया तथा विकास खण्ड लालगंज के ग्राम शीतलमऊ में धान फसल की क्राप कटिंग करायी गयी तथा कृषकों को फसल अवशेष प्रबन्धन के सम्बन्ध में जागरूक भी किया गया। उन्होंने बताया कि कृषि अपशिष्टों को जलाने वाले दोषी व्यक्तियों को राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश के क्रम में पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति हेतु

अर्थदण्ड का प्राविधान किया गया है जिसमें बताया गया कि कृषि भूमि का क्षेत्रफल 02 एकड़ से कम होने की दशा में अर्थदण्ड 2500 रुपए प्रति घटना, कृषि भूमि का क्षेत्रफल 02 एकड़ से अधिक किन्तु 05 एकड़ तक होने की दशा में अर्थदण्ड 5000 रुपए प्रति घटना तथा कृषि भूमि का क्षेत्रफल 05 एकड़ से अधिक होने की दशा में अर्थदण्ड 15000 रुपए प्रति घटना निर्धारित है। उन्होंने कृषकों से कहा कि अपने फसल अवशेषों को न जलाये तथा फसल अवशेषों

लालगंज क्षेत्र में उप कृषि निदेशक ने किया भ्रमण

को फसल विशेष प्रबन्धन के कृषि यन्त्रों एवं पूसा बायो डिकम्पोजर का प्रयोग करके उचित प्रबन्धन करें तथा मुदा के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाएँ। जनपद के समस्त विकास खण्डों में क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा कृषकों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। विकास खण्ड आसपुर देवसरा के ग्राम

रमईपुर नेवादा के कृषक समीरूल निशा पत्नी मोहम्मद जलील द्वारा अपने खेत में धान फसल कटाई के उपरान्त आग लगाते हुये पाये जाने पर मौके पर भ्रमणशील बीटीएम धर्मेन्द्र कुमार सिंह द्वारा पहचानकर सम्बन्धित कृषक से आग बुझवाई गयी तथा उन्हें पब्लिसि में पराली न जलाने हेतु सजग करते हुये फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। फसल अवशेष को जलाने से रोकने हेतु जनपद में उपजिलाधिकारी के

पर्ववेक्षण में सचल दस्ते गठित किये गये है जिनके द्वारा भी निगरानी की जा रही है। यदि कृषक/व्यक्ति फसल अवशेष/अन्य कृषि अपशिष्टों को जलाते हुये पाया जाता है अथवा सेंटलाइट के माध्यम से घटना प्रकाश में आती है तो दोषी व्यक्ति एवं सम्बन्धित कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। बिना एस0एम0एस0 के कम्पाइन हावैस्टर प्रयोग करना वर्जित है, पकड़े जाने पर सज करने की कार्यवाही की जायेगी।

के विभिन्न चैनल जैसे ज्ञान दर्शन, ज्ञान वाणी और स्वयंसेवक के महत्व पर प्रकाश डाला। वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष एवं पीजीजेएमसी के काउंसलर डॉ0 सी एन पांडे ने इग्नू के पत्रकारिता कोर्स के बारे में विस्तार से बताया और कहा उत्कृष्ट लेखन एवं पत्रकारिता वर्तमान की मांग है शिक्षार्थियों को अपने वैचारिक एवं लेखन कौशल से इस क्षेत्र में अपना पब्लिसि बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों

संपादक की कलम से

बेबसी और उम्मीद के बीच

झूलते स्कूल

प्रधान अध्यापक सुचारू रूप से व्यवस्था बना पाएँ और शिक्षक-नेता की जुगल बंदी को लगाम लगे। तभी स्कूलों का समय से लगना और कक्षा में पढ़ाई का माहौल बनना संभव होगा। लोगों का सरकारी स्कूल से विश्वास उठ रहा है। सरकारी स्कूल का लचर प्रशासन और उसके सुचारू रूप से नहीं चल पाने के कारण यह मान्यता बन गई है कि प्राइवेट में पढ़ाई होती है, सरकारी में नहीं।

कुछ दिन पहले एक शिक्षिका ने बताया था कि उनकी शाला में विद्यार्थियों की संख्या गिरकर 18 रह गई है और इस बीच एक और शिक्षक की नियुक्ति कर दी गई है। ऐसा करना खो-खो के खेल जैसा हो गया है, यानी कम संख्या के कारण शिक्षक अतिशेष में आ गए हैं, जिनका कभी भी स्थानांतरण किया जा सकता है। यह स्कूल मुख्य सड़क मार्ग पर है और यहां से शहर आना-जाना आसान है। यहां ट्रांसफर होकर आए नए शिक्षक की 'पहुंच' है, इसलिए ऐसा करना पाना उनके लिए संभव हो पाया है। बेबसी की हद है कि यह स्कूल जो बंद होने की कगार पर है, यहां ट्रांसफर का कारोबार जीवित है और पनप रहा है। दस वर्ष पहले इसी प्राइमरी स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या 60 से 70 के बीच हुआ करती थी और किसी समय 100 के करीब। मध्यप्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जहां पिछले दो दशकों में विद्यार्थियों की संख्या में कमी आई है और वे बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। पहले इन शालाओं में 60 से 150 विद्यार्थी हुआ करते थे, जबकि अब उनकी संख्या 20 से 30 के करीब रह गई है। सरकारी भाषा में कहें तो इनका अन्य शाला में विलय होना तय है। यहां छात्र और शिक्षक दोनों ही बेबसी के दिन काट रहे हैं।

क्या यह बेबसी की हालत सब जगह है? हमारे आसपास कई सरकारी स्कूल हैं जहां व्यवस्थित पढ़ाई हो रही है। शाला के लिए प्रधान-अध्यापक और उनके साथ एक टीम नजर आती है। शाला में बच्चों की संख्या पर्याप्त है और उनमें एक उम्मीद का माहौल दिखता है। हो सकता है वे 'सीएम राइज स्कूल' हों, 'मॉडल स्कूल' या कोई सामान्य सरकारी स्कूल हों! खास बात यह है कि वही सरकारी तंत्र है, वे ही लोग हैं, परंतु स्कूल दो तरह के हैं। एक तरफ, जहां शालाओं को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है और सभी उनके बंद होने का रास्ता देख रहे हैं और दूसरी तरफ, एक उम्मीद का माहौल है। एक ही तंत्र में दो-मुंहो ढांचा चल रहा है। आखिर यह स्थिति कैसे निर्मित हुई? यह समझने के लिए स्कूल प्रशासन की जड़ों को देखना होगा। सबसे पुरानी जड़ है, 'ट्रांसफर नीति' और उससे सम्बंधित व्यवहार और लेन-देन। हम देखते हैं कि कुछ स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक हैं और कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। यह अंतर हमें गांव-गांव शहर के बीच और रोड किनारे व अंदर के स्कूल के बीच दिखता है। यह अंतर जिलेवार भी नजर आता है, जैसे आदिवासी-बहुल जिले और अन्य जिले। ट्रांसफर इंडस्ट्री के चलते शालाओं को व्यवस्थित चलाने के लिए टीम नहीं बन पाती। शिक्षक हेडमास्टर को नजरअंदाज करते हैं और का सामान्य प्रशासन लागू नहीं हो पाता। यह जरूरी है कि प्रधान अध्यापक सुचारू रूप से व्यवस्था बना पाएँ और शिक्षक-नेता की जुगल बंदी को लगाम लगे। तभी स्कूलों का समय से लगना और कक्षा में पढ़ाई का माहौल बनना संभव होगा। लोगों का सरकारी स्कूल से विश्वास उठ रहा है। सरकारी स्कूल का लचर प्रशासन और उसके सुचारू रूप से नहीं चल पाने के कारण यह मान्यता बन गई है कि प्राइवेट में पढ़ाई होती है, सरकारी में नहीं।

नये भारत के निर्माता थे सरदार पटेल

रमेश सर्राफ धमोरा

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भ्रंशक उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये देशी आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थीं।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाद में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाडुबाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और



पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थीं। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कुतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ एक्युनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से नाडियाद में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाडुबाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और

वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। सरदार पटेल को इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें विलीनीकरण करने के लिए एकता का जन्मजात था ही। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होंने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को न कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होंने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होंने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को संदेव याद रखा जायेगा। सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनों ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू

को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया। अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस के ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि भारत के पहले प्रधानमंत्री होते। सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृष्टात् के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ़ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर

निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक अद्भुत था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा। जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से अग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं। सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी सिरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

महर्षि दयानन्द सरस्वती का जीवन ज्ञान का प्रकाश पुंज

बाल मुकुन्द ओझा

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती का निर्वाण दिवस 30 अक्टूबर को है। महर्षि दयानंद सरस्वती ने शंश्वर तेरी इच्छा पूर्ण हो कह कर अपनी नश्वर देह 30 अक्टूबर 1883 को अमावस के दिन भिनाय कोटीए आगरा में त्याग दी थी। स्वामी दयानंद सरस्वती अर्य समाज के संस्थापकए महान चिंतकए समाज.सुधारक और देशभक्त थे। स्वामी जी का जन्म 12 फरवरी 1824 को हुआ। उन्नीसवीं शताब्दी के महान समाज.सुधारकों में स्वामी दयानंद सरस्वती का नाम अत्यंत श्रद्धा के साथ लिया जाता है। जिस समय भारत में चारों ओर पाखंड और भूत-पूजा का बोल.बाला था। स्वामी जी ने इसके खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने भारत में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए 1876 में हरिव्यार के कुंभ मेले के अवसर पर पाखण्डखंडनी पताका फहराकर पांगा.पंथियों को

चुनौती दी। उन्होंने फिर से वेद की महिमा की स्थापना की। उन्होंने एक ऐसे समाज की स्थापना की जिसके विचार सुधारवादी और प्रगतिशील थे। हिंदू पंचांग के अनुसार स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को होता है। स्वामी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दयानंद सरस्वती जयंती मनाई जाती है। उन्होंने अपने समय में समाज में फैली बाल विवाहए सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के प्रति न केवल समाज को जागरूक किया बल्कि इन्हें दूर करने में भी काफी योगदान दिया। अपने परिवार से प्रारंभिक शिक्षा लेने के बाद वह एक महान वैदिक विद्वान के रूप में उभरे। उन्होंने सांसारिक जीवन को त्याग दिया और ज्ञान और सत्य की खोज में भारत के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में चले गए। स्वामी दयानंद अपना सर्वस्व जीवन राष्ट्रहित के उत्थानए समाज में

प्रचलित अंधविश्वासों और कुरीतियों को दूर करने के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अपनी ओजस्वी विचारों से समाज में नव चेतना का संचार जागृत किया। उन्होंने वेदों को सर्वोच्च माना और वेदों का प्रमाण देते हुए समाज में फैली कुरीतियों का विरोध किया। उन्होंने सन् 1874 में अपने कालजयी ग्रन्थ प्सत्वाथ्र.प्रकाश की रचना की। वर्ष 1908 में इस ग्रन्थ का अंग्रेजी अनुवाद भी प्रकाशित किया गया। इसके अलावा उन्होंने कुल मिलाकर उन्होंने 60 पुस्तकें 14 संग्रह 6 वेदांगए अष्टाध्यायी टीकाए अनेक लेख लिखे जिनमें ऋग्वेदादि भाष्य भूमिकाष्प आदि अनेक विशिष्ट ग्रन्थों की रचना की। अपने 59 वर्ष के जीवन में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी ने राष्ट्र में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ लोगों को जगाया और अपने ज्ञान प्रकाश को देश में फैलाया।

सिंधियाओं से रिश्ते खोजते फिरते मोदी

बादल सरोज

मोदी जिन सिंधियाओं के साथ नातेदारी कायम कर रहे थे, वे और उनकी पार्टी अभी हाल तक उन्हीं को- सिंधियाओं को- निपटाने में लगी थी। ज्योतिरादित्य - खुद बकौल मोदी यदि उनके दामाद हैं तो इस नाते से वसुंधरा राजे सिंधिया उनकी समर्थन हुई। इन समर्थन के साथ उनके रिश्ते कैसे हैं यह पिछले महीने में सिर्फ राजस्थान नहीं पूरे देश ने देखा है।

जहां, जिनके बीच भी जाते हैं उनके साथ, उस शहर, इलाके, व्यवसाय और लोगों के साथ अपना रिश्ता बनायने के अपने कारनामों को जारी रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बार ग्वालियर के साथ- असल में सिंधियाओं के साथ- अपनी नातेदारी कायम की। भले ग्वालियर ऐसा माने या न माने, मोदी को लगता है कि सिंधिया ही ग्वालियर है, ग्वालियर ही सिंधिया है। ठीक उसी तरह जैसे भले भारत माने या न माने उन्हें यह भ्रम है कि मोदी ही भारत है- भारत ही मोदी है। उनके मुताबिक सिंधियाओं के साथ उनके एक नहीं तीन संबंध हैं; एक तो वे चूँकि काशी से सांसद हैं इसलिए काशी वाला संबंध है। सिंधियाओं के खानदान के लोगों ने काशी- बनारस - में गंगा किनारे घाट बनवाये थे; इसलिए उनका सिंधियाओं यानि

ग्वालियर के साथ नाता हुआ। दूसरा यह कि ज्योतिरादित्य सिंधिया गुजरात के दामाद हैं, और चूँकि मोदी जी स्वयं सम्प्रभु और सार्वभौम गुजरात भी हैं इसलिए वे उनके भी दामाद हुए। तीसरा रिश्ता उन्होंने यह बताया कि-वे जिस प्राथमिक विद्यालय में पढ़े उसे गायकवाड़ों की रियासत में सिंधियाओं ने खोला था!! यह वाला दावा थोड़ा अतिरिक्त खोजबीन की दरकार रखता है। वे सिंधियाओं के स्कूल से पढ़कर निकले 10 नामचीन पूर्व छात्रों के नाम भी रट कर आये थे- इनमें हुडदबंग वाले सलमान खान भी थे। मगर जिस जोरशोर के साथ वे सिंधियाओं के साथ नाते-रिश्ते बना रहे थे वह खासा दिलचस्प था।

मोदी जिन सिंधियाओं के साथ नातेदारी कायम कर रहे थे, वे और उनकी पार्टी अभी हाल तक उन्हीं को- सिंधियाओं को- निपटाने में लगी थी। ज्योतिरादित्य - खुद बकौल मोदी यदि उनके दामाद हैं तो इस नाते से वसुंधरा राजे सिंधिया उनकी समर्थन हुई। इन समर्थन के साथ उनके रिश्ते कैसे हैं यह पिछले महीने में सिर्फ राजस्थान नहीं पूरे देश ने देखा है। मोदी ने अपनी सभाओं में, मंच पर उनके बैठे होने के बावजूद, उनका नाम तक नहीं लिया। कुछ जगह तो उनके भाषण

भी नहीं हुए। राजस्थान की भाजपा के पोस्टर्स में वसुंधरा, जो इस प्रदेश की भाजपा की एकमात्र सक्रिय पूर्व मुख्यमंत्री हैं, की तस्वीरें गायब रहीं। वसुंधरा 'राजेड सिंधिया अजल - आडवाणी काल के बचे-खुचे भाजपाई नेताओं में से एक हैं और अख्खा राजस्थान ही नहीं बाकी देश भी जानता है कि मोदी उन सहित ऐसे नेताओं को पसंद नहीं करते, बल्कि खसत नापसंद करते हैं। उनकी नाराजगी की एक वजह ये भी है कि यह पूर्व मुख्यमंत्री उनकी जी हुजूरिन नहीं बनी, राजस्थान के तख्तापलट की उनकी साजिश में हिस्सेदार नहीं बनीं।

यही गत हाल तक ज्योतिरादित्य सिंधिया की भी रही। यही थे जिन्होंने कांग्रेस को तोड़कर, उससे दगाबाजी कर, 2018 के जनादेश के साथ गद्दारी कर मध्यप्रदेश की जनता द्वारा हराए गए शिवराज सिंह चौहान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाया था। मगर दिलचस्प बात यह थी कि इनके खिलाफ कांग्रेस से ज्यादा भाजपा के क्षत्रपों ने मोर्चा खोला हुआ है। उनके एक चौथाई दलबदलुओं की टिकिट ही कटवा दी है। मगर जनता के भाजपा विरोधी आक्रोश को देखकर भाजपा इन राजा महाराजाओं और महारानियों के सामने एक बार फिर शरणागत हो रही थी। उनके आगे नतमस्तक थी। पहली सूची में वसुंधरा

समर्थकों की टिकट काटने के बाद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दूसरी सूची में 'भूल सुधार' कर महारानी वसुंधरा की जय हो का जाप करती हुआ दिखा। ज्योतिरादित्य को साधने के लिए खुद मोदी सिंधियाओं के खानदान का गुणगान करने पहुंच गए। सामंतों के आगे सिर झुकाने की यह अदा सिर्फ राजनीति की उस कला का प्रदर्शन नहीं था जिसका मर्म बताते हुए लेनिन ने कहा था कि 'जब वे एक दुजे के सम्मान में कसौदे काढ़ रहे होते हैं तब, ठीक उसी समय, मन ही मन वे उनका मर्सिया पढ़ रहे होते हैं'। यह सिर्फ चतुराई नहीं है यह नवम्बर में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले जनता में दिखाई दे रहे मुखर आक्रोश से पार पाने की हताश कोशिश है।

बहरहाल मोदी ग्वालियर में सिंधियाओं के साथ रिश्ते बनाते समय दो महत्वपूर्ण नाते गिनाना जानबूझकर भूल गए। सिंधियाओं के साथ उनके कुनबे का एक रिश्ता बरारते गांधी भी है। गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे, जिन्हें इन दिनों उनका कुनबा अपना आराध्य बताते से तनिक भी नहीं हिचक रहा, को पिस्तौल इन्हीं सिंधियाओं के सौजन्य से मिली थी। इस बात के अनगिनत प्रमाण हैं कि उसे चलाने का रियाज गोडसे ने सिंधिया महल में ही किया था।

मैं, सारे निर्णयों में, व्यवहारों में, कथनों में गहरा विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि सत्य एवं संभावनाएं खोजने से भी नहीं मिलती, इनका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उनकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्यार्ण पैदा कर रहे हैं। पांडियन और निशा के इन फैसलों से कई सवाल खड़े हुए हैं, जिन पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। नौकरशाहों की राजनीति की ओर बढ़ने की होड़ सेवा प्रेरित तो कतई नहीं है। यह अधिक से और अधिक पाने की भूख है जो नौकरशाही की तरह राजनीति को भी अधिक भ्रष्ट ही करेगी। यह सर्वविदित है कि देश की प्रशासनिक संस्थाएं किस कदर साख एवं समझ के संकट से जूझ रही हैं? उन पर राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करने का आरोप निराधार नहीं है। यह न तो देश के हित में है और न लोकतंत्र के। ऐसे

में, पांडियन और निशा जैसे उदाहरणों से नौकरशाही की विश्वसनीयता को और खरोचें आएंगी, राजनीति भी साफ-सुथरी रहने की संभावनाएं धूमिल होगी। इसलिए, देश को सचमुच प्रशासनिक सुधार के साथ हमें मजबूत करने के लिये प्रशासनिक अधिकारी अपने पदों पर रहते हुए देश-निर्माण की जिम्मेदारी निभाये, यह ज्यादा जरूरी है। हमारा संविधान तय मानदंडों के तहत अपने हरेक नागरिक को अवसर की स्वतंत्रता देता है, और इस लिहाज से अफसरों के राजनीति में आने में कुछ गलत नहीं है, मगर इन दिनों जिस तरह नौकरशाहों में राजनेताओं के कृपापात्र बनने और पुरस्कृत होने की प्रवृत्ति गहराती जा रही है, उसमें पांडियन एवं निशा जैसे तरक्की पसन्द, महत्वाकांक्षी एवं लालची अफसरों का राजनीतिक में घुसपैठ का मुद्दा अन्य नौकरशाहों को भी सताधीशों से सांट-गांठ के लिए प्रेरित करेगा। इससे

महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इनके भी चुनाव लड़ने की अटकलें हैं। वी.चंद्रशेखर, किरण अहिंवार, अजिता वाजपेयी पांडे, हीरालाल त्रिवेदी, पन्नालाल सोलंकी, पवन जैन, गाजी राम मीणा, आजाद सिंह डबास आदि अनेक अफसरों के नाम हैं जिनके अब सक्रिय रूप से राजनीति में आने एवं चुनाव लड़ने की संभावना है। अफसरों का राजनीति से बढ़ रहा मोह कोई नया नहीं है। राज्यों से लेकर केन्द्र तक राजनीति में इन प्रशासनिक अधिकारियों का वर्चस्व रहा है और दिनोदिन बढ़ता ही जा रहा है। इन प्रशासनिक अधिकारियों के दोनों हाथों में रैवडियां हैं- पहले नौकरशाह के रूप में और अब राजनेता के रूप में। आजादी के अमृतकाल में पहुंचने तक विभिन्न राजनीतिक दलों में ऐसे नौकरशाह रहें हैं जिन्होंने उच्च सरकारी पदों को छोड़ उच्च राजनीतिक पदों पर रहे हैं।

क्या लोकतंत्र के हित में है नौकरशाहों का चुनाव लड़ना ?

ललित गर्ग

पांच राज्यों के विधानसभा एवं अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले अनेक प्रशासनिक अधिकारी राजनीति में आने के लिये अपने पदों से इस्तिफा दे रहे हैं। इन प्रशासनिक अधिकारियों को नौकरशाही की तुलना में राजनीति इतनी लुभावनी क्यों लग रही है, क्यों राजनीति के प्रति इन नौकरशाहों में आकर्षण बढ़ रहा है? इन्हीं प्रश्नों के बीच अहम प्रश्न है कि आईएएस अधिकारी वी. के. पांडियन द्वारा स्वेच्छिक रिटायरमेंट एवं मध्य प्रदेश में डिप्टी कलेक्टर निशा बांगेर का इस्तीफा मंजूर होने की खबरें एवं उनके राजनीतिक दलों से जुड़कर चुनाव लड़ना लोकतंत्र को किस मोड़ पर ले जायेगा। इनके अतिरिक्त भी कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, आईएफएस, डॉक्टर, प्रोफेसर आईपीएस अफसर आदि अनेक नौकरशाह राजनीति



में अपना भविष्य आजमाने को तयपर है। लोकशाही और नौकरशाही निश्चय ही लोकतंत्र के दो प्रमुख स्तम्भ हैं। दोनों के कंधों पर लोकतंत्र की सफलता एवं राष्ट्र-निर्माण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। देशहित

का जच्चा ही दिखाना है तो क्या नौकरशाह में यह संभव नहीं है? ऐसा प्रतीत होता है कि विधायिका एवं कार्यपालिका दोनों का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। इन दोनों की सारी नीतियों

कुर्रम में जारी हिंसा में तीन अन्य लोगों की मौत, पांच घायल

इस्लामाबाद
कुर्रम आदिवासी जिले में विभिन्न स्थानों पर शनिवार को पांचवें दिन भी गोलीबारी की घटनाएं जारी रहीं। इस घटना में तीन और लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान स्थित डॉन की रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है। चल रही झड़पें बख़्खल, बोश्राह, पेवरहा, त्रि मंगल, कंज अलीजई और अन्य क्षेत्रों सहित विभिन्न स्थानों पर सामने आईं। टकराव में शामिल समूहों के बीच भारी हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया था।

अब तक 18 लोगों की मौत
डॉन के मुताबिक, सोशल मीडिया पर एक विवादास्पद वीडियो वायरल होने के बाद मंगलवार से हिंसक झड़पें शुरू हुईं, जिसमें 18 लोगों की जान चली गई और 35 अन्य घायल हो गए हैं। वीडियो की दोनों समूहों द्वारा कड़ी निंदा की गई और जिले में दो समूहों के बीच झड़पें शुरू हो गईं।



स्थानीय अधिकारियों ने जिले में सड़क बंद होने, परिवहन बंद होने और सेलुलर नेटवर्क सेवाओं के रुकने की सूचना दी। शैक्षणिक संस्थानों को भी अपने दरवाजे बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। कुर्रम के डिप्टी कमिश्नर सैयद सफ़ुल इस्लाम ने समाचार एजेंसी डॉन को बताया, "युद्ध विराम के लिए प्रयास जारी है, हंगू और

ओरकजई जिलों के जिरगा सदस्य मुद्दे को सुलझाने के लिए बातचीत में लगे हुए हैं।"

स्थानीय लोगों को हो रही परेशानियां
इस बीच, जिरगा सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी प्राथमिकता युद्ध विराम सुनिश्चित करना और क्षेत्र से बंकरों को साफ करना है। बाजार बंद होने के

कारण स्थानीय निवासियों को रोजमर्रा की वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ा है। स्थानीय लोग सरकार से सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह कर रहे हैं। स्थानीय बुजुर्ग और अधिकारी युद्धरत गुटों के बीच युद्ध विराम पर बातचीत करने के प्रयास में इकट्ठा हुए।

इजरायल एक ऐसे युद्ध में है जिसे उसने न शुरू किया और न ही चाहा...'

तेल अवीव

इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध का 23वां दिन है। इस युद्ध में अब तक दोनों पक्षों से हजारों लोगों की जान चली गई है। इस जंग के बीच इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने रविवार को कहा इजरायल एक ऐसे युद्ध में है जिसे उसने शुरू नहीं किया था और न ही उसने चाहा था। उन्होंने आगे कहा कि हमास ने यह युद्ध शुरू किया और हम जवाबी हमले को एक नए चरण की ओर बढ़ रहे हैं और गाजा में जमीन, समुद्र और हवा से हमला करेंगे। आईडीएफ प्रवक्ता आरएडीएम डेनियल हागारी ने एक व्यक्तिगत वीडियो संदेश में कहा, "इजरायल एक ऐसे युद्ध में है जिसे उसने शुरू नहीं किया था और न ही उसने चाहा था कि यह युद्ध हो। हमास आम नागरिकों को निशाना बनाते हुए फायरिंग कर रहा है और इजरायली नागरिकों पर हमला कर रहा है। ये दोनों युद्ध अपराध हैं।"



डेनियल हागारी ने इस दावे को दोहराते हुए कहा कि हमास के आतंकवादी मौजूदा संघर्ष में नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

हमारी लड़ाई हमास के साथ है- आईडीएफ प्रवक्ता
आईडीएफ प्रवक्ता ने कहा, "हमारी लड़ाई हमास के साथ है, गाजा के लोगों के साथ नहीं।

हमास गाजा के लोगों को स्कूलों और अस्पतालों में खुद को शामिल करके मानव ढाल के रूप में उपयोग करता है। जैसा कि हमने खुलासा किया है।"

बिजनेस डायरी

'राष्ट्रपति बनने के बाद मुस्लिम प्रतिबंध को फिर करूंगा बहाल', ट्रंप ने किया वादा; व्हाइट हाउस ने की आलोचना

वाशिंगटन
पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कसम खाई है कि अगर वह व्हाइट हाउस के दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं, तो कुछ मुस्लिम-बहुल देशों के लोगों पर विवादास्पद यात्रा प्रतिबंध को फिर से लागू करेंगे। शनिवार को रिपब्लिकन यहूदी गठबंधन के वार्षिक शिखर सम्मेलन में बोलते हुए ट्रंप ने कहा, "आपको यात्रा प्रतिबंध याद है?"

यात्रा प्रतिबंध को बहाल करेंगे ट्रंप
ट्रंप ने कहा, "पहले ही दिन, मैं यात्रा प्रतिबंध बहाल कर दूंगा। हमने यात्रा प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि हम नहीं चाहते थे कि ऐसे लोग हमारे देश में आए जो वास्तव में हमारे देश को बदनाम करने के बारे में सोचते हैं।" उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन के दौरान लगाया गया यात्रा प्रतिबंध एक बेहतरीन सफलता थी। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे ट्रंप ने कहा, "हमारे पास चार साल में एक भी घटना नहीं हुई, क्योंकि हमने बुरे लोगों को अपने देश से बाहर रखा। हमने उन्हें बाहर रखा। हमारे पास एक भी घटना नहीं हुई।"

इस्लामोफोबिया की हुई थी निंदा
2017 में, ट्रंप के राष्ट्रपति पद की शुरुआत में, उन्होंने ईरान, लीबिया, सोमालिया, सीरिया, यमन और शुरुआत में इराक और सुदान से यात्रियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिए। हालांकि, व्हाइट हाउस ने तुरंत पूर्व राष्ट्रपति की आलोचना की। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रयू बेट्स ने कहा, "2020 में, राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्लामोफोबिया में आई वृद्धि की निंदा की और उसे बीमारी कहा।

उन्होंने कहा, "द्वेषपूर्ण नफरत के खिलाफ एक साथ आने की जरूरत अब पहले से कहीं अधिक जरूरी है, क्योंकि अमेरिकी मुस्लिम और अरब अमेरिकी तेजी से खुद को भयावह कलंक और दिल दहला देने वाली हिंसा का निशाना बना रहे हैं। बेट्स ने कहा, "कार्यालय में, राष्ट्रपति बाइडन ने इस्लामोफोबिया के खिलाफ अभूतपूर्व कार्रवाई की है और आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

इजरायलियों के साथ खड़े रहने का किया वादा
सैकड़ों उरसाही समर्थकों के सामने, ट्रंप ने हमास को नष्ट करने, अमेरिका और इजरायल को बर्बर आतंकवादियों से बचाने और बाइडन प्रशासन के ईरान के तुष्टीकरण को पलटने की भी कसम खाई। उन्होंने कहा, "इन बर्बर गतिविधियों से आहत हर इजरायली और हर अमेरिकियों से हम प्यार करते हैं, हम आपके साथ हैं, हम आपके साथ शोक मनाते हैं, हम आपका गुस्सा समझते हैं और हम 100 प्रतिशत, 110 प्रतिशत आपके साथ खड़े हैं।"

डोनाल्ड ट्रंप का फिर से राष्ट्रपति बनना अमेरिका के लिए खतरा, निक्की हेली बोली-यूएस को सही कमान की जरूरत

वाशिंगटन
रिपब्लिकन पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। निक्की हेली ने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप साल 2024 में होने वाले चुनाव में जीतते हैं तो चार साल के लिए देश में अराजकता फैल सकती है। जो अमेरिका के लिए खतरनाक साबित होगा।

निक्की हेली ने साधा ट्रंप पर निशाना
निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका को एक ऐसे कप्तान की जरूरत है, जो स्थिर रखेगा न कि इसे डूबने की कोशिश करेगा। लास वेगास में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए उन्होंने यह बात कही।

इजरायल-हमास और यूक्रेन युद्ध का किया जिक्र
हालांकि, इस दौरान उन्होंने इजरायल समर्थक नीतियों के लिए ट्रंप को श्रेय भी दिया। एक सवाल के जवाब में हेली ने कहा कि हम जीवन के सबसे खतरनाक दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने इजरायल-हमास और यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया जल रही है। मेरे लिए युद्ध रोकने, शांति बनाए रखने और अमेरिकी लोगों की रक्षा करने से ज्यादा कुछ भी मायने नहीं रखता है।

इजरायल समर्थक राष्ट्रपति थे ट्रंप- निक्की हेली
हेली ने रिपब्लिकन यहूदी गठबंधन को संबोधित करते हुए कहा कि इतिहास में यह बात दर्ज होगी।

सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025

ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

'इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक में की तीन फलस्तीनी नागरिकों की हत्या', स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा

तेल अवीव

इजरायल-हमास युद्ध के 23वें दिन तक हजारों लोगों की जानें जा चुकी हैं। इस बीच फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने इजरायल सुरक्षा बल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि इजरायली सेना ने तीन फलस्तीनी नागरिकों की हत्या कर दी।

इजरायली सेना ने तीन फलस्तीनी नागरिकों की हत्या की
स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इजरायल रक्षा बल ने वेस्ट बैंक में तीन फलस्तीनी नागरिकों की हत्या कर दी। हालांकि, इजरायल रक्षा बल ने फलस्तीनी के दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

गाजा पट्टी के अंदर मौजूद है इजरायल रक्षा बल
बता दें कि इजरायल रक्षा बल पहले से ही गाजा पट्टी के अंदर मौजूद है। इजरायल ने हवाई हमले के बाद जमीनी हमले भी तेज कर दिए हैं। आईडीएफ के प्रवक्ता रियल एडमिरल डेनियल हागारी ने कहा है



कि इजरायली सेना गाजा पट्टी के अंदर है।

इजरायल ने सीरिया में दागी मिसाइलें
इससे पहले शनिवार रात को

इजरायल रक्षा बल ने सीरिया के कुनीत्रा क्षेत्र में सीरियाई सेना और कुछ ईरान समर्थित मिलिशिया के लक्षित टिकानों पर मिसाइलें दागी थी। सीरियाई मीडिया ने बताया कि

आईडीएफ तोपखाने ने सीरियाई लक्षित टिकानों पर गोलीबारी की है।

इजरायल और हमास के बीच 7 अक्टूबर को शुरू हुई थी जंग
बता दें कि 7 अक्टूबर को इजरायल

और हमास के बीच जंग शुरू हुई थी।

7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल के कई शहरों पर मिसाइलें दागी थी, इस हमले में 1400 से

अधिक लोगों की मौत हो गई। वहीं, हमास के हमले का इजरायली सेना जवाब दिया और गाजा में उसके टिकानों को निशाना बनाया।

भ्रष्टाचार निरोधक प्राधिकरण ने परवेज इलाही के घर से बरामद किए 4.1 मिलियन पाकिस्तानी रुपये



इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पंजाब भ्रष्टाचार निरोधक प्रतिष्ठान ने पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में अवैध नियुक्तियों से संबंधित एक मामले में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष परवेज इलाही के घर से 4.1 मिलियन पाकिस्तानी मुद्रा बरामद की।

डॉन न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। रिपोर्ट में बताया कि एसीई ने लाहौर जिला और सत्र अदालत को बरामद राशि के बारे में सूचित किया। इस बीच, इलाही के वकील एडवोकेट अमीर सईद रॉन ने दावे का खंडन किया और इसे फर्जी वसूली करार दिया।

अदियाला जेल में किया था ट्रांसफर इससे पहले सितंबर में, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष चौधरी परवेज इलाही को न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा लाहौर मास्टर

प्लान 2050 में कथित भ्रष्टाचार के मामले में आरोपमुक्त करने के तुरंत बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था।

12वीं बार हुए गिरफ्तार
इलाही, 9 मई के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद राज्य की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किए गए कई पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं में से एक हैं। उनके रावलपिंडी में पंजाब भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिष्ठान (एसीई) द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद अदालत में पेश किया गया था। उनके एक वकील ने कहा कि यह 12वीं बार था, जब पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री इलाही को 1 जून से हिरासत में लिया गया था।

9 मई के दंगे मामले में हुई थी गिरफ्तारी
संघीय न्यायिक परिसर (एफजेसी) में जमानत दिए जाने के बाद एसीई द्वारा हिरासत में लिए गए पीटीआई नेता को द्यूटी न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

ईरानी राष्ट्रपति ने इजरायल को दी संभावित कार्रवाई की चेतावनी, कहा-यहूदियों ने किया रेड लाइन क्रॉस

"इजरायली लोगों के अपराध रेड लाइन क्रॉस कर चुकी है और यह हरकत उनकी हर किसी को कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर सकता है।"

तेहरान

सात अक्टूबर को हमास के हमलों के बाद इजरायल की ओर से जारी जवाबी कार्रवाई जारी है। इस जवाबी हमले में हजारों लोगों की अबतक जान जा चुकी है। इस जंग के बीच ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने रविवार को इजरायली बलों को इसके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अन्य देशों के संभावित हस्तक्षेप की चेतावनी दी और कहा कि इजराइल ने 'रेड लाइन' क्रॉस कर दी है।

उन्होंने कहा, "इजरायली लोगों के अपराध रेड लाइन क्रॉस कर चुकी है और यह हरकत उनकी हर किसी को कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर सकता है। वाशिंगटन हमें कुछ भी नहीं करने के लिए कहता है, लेकिन वे इजरायल को व्यापक समर्थन देते रहते हैं।"

गाजा पट्टी के आसपास कई स्थानों पर दी झड़पों की सूचना
रायसी ने शनिवार रात अल-जजीरा के साथ एक साक्षात्कार में इसी तरह की टिप्पणी की थी। इसके साथ ही दावा किया कि गाजा में प्रवेश करने वाली इजरायली सेना "पराजित" हो गई थी और पीछे हटने के लिए मजबूर हो गई थी। वहीं, दे जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार कहा



गाजा कि रविवार की सुबह तक इजरायली सेनाएं उस स्थिति से पीछे नहीं हटी थीं, जहां वे शुक्रवार रात को पहुंची थीं। फलस्तीनी मीडिया ने गाजा पट्टी के आसपास कई स्थानों पर झड़पों की सूचना दी थी।

ईरान द्वारा किए गए हमले अमेरिकी प्रतिक्रिया के बदले किए गए
राष्ट्रपति रायसी ने कहा कि क्षेत्र में ईरानी प्रतिनिधि "स्वतंत्र" हैं और उन्हें तेहरान से

आदेश नहीं मिलते हैं। रायसी ने यह भी कहा कि ईरान के प्रतिनिधियों द्वारा किए गए हमले ईरान को संयुक्त राज्य अमेरिका से प्राप्त संदेशों की प्रतिक्रिया के रूप में किए गए थे। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने घोषणा की कि अमेरिकी सैन्य बलों ने पूर्वी सीरिया में ईरान के इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड कॉर्प्स और संबद्ध आतंकी प्रॉक्सि द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली दो फैसिलिटी पर हमला किया।